ECONOMCIS TIMES N.D 20/8/18

टायर कंपनियां

एनालिस्टों का कहना है कि टायर कंपनियों पर बुरा असर हो सकता है क्योंकि उनके लिए अहम रॉ मैटीरियल यानी रबड़ खास तौर पर केरल से इंपोर्ट होता है। एलकेपी सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट अश्विन पार्टिल कहते हैं, 'रबड़ का प्रॉडक्शन घट सकता है जिसके चलते डोमेस्टिक रबड़ के दाम में तेज उछाल आ सकती है। इसका टायर कंपनियों के मार्जिन पर नेगेटिव असर हो सकता है।' टायर कंपनियों को इंपोर्टेड रबड़ के मोर्चे पर भी दबाव झेलना पड़ सकता है क्योंकि इंपोर्टेड रबड़ का दाम डोमेस्टिक रबड़ से ज्यादा होता है। पाटिल कहते हैं, 'अपोलो टायर्स पर नेगेटिव असर हो सकता है क्योंकि राज्य में इसके दो-दो प्लांट्स हैं।'